Drishti IAS

करेंट अफेयर्स

मध्य प्रदेश

(संग्रह)

जनवरी 2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

मध्य प्रदेश **3**

- मध्य प्रदेश ने भारत-जापान संबंधों को सशक्त किया 3
- IIT इंदौर ने एग्रीहब का उद्घाटन किया 4
- कान्हा टाइगर रिज़र्व 5
- मध्य प्रदेश: आईटी निवेश का नया केंद्र 5
- माधव राष्ट्रीय उद्यान 6
- वैश्विक यूनाइटेड कॉन्शियसनेस कॉन्क्लेव 7
- अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय 8
- लाड़ली बहना योजना 9
- मध्यप्रदेश में पहली बार सफल हृदय प्रत्यारोपण 9
- जागरुकता अभियान का आयोजन 10
- मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल ने 10 से अधिक नीतियों को दी मंजूरी 11
- मध्य प्रदेश: GCC नीति 2025 12
- कूनो नेशनल पार्क में चीता मित्र सम्मेलन 14
- इंडियन बॉयसन (गौर) का पुनर्विस्थापन 15
- नक्शा कार्यक्रम 16
- गिद्धों की गणना 17
- खजुराहो नृत्य समारोह 19
- ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (GIS) 2025 21

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश ने भारत-जापान संबंधों को सशक्त किया

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री **मोहन यादव** राज्य में **निवेश के अवसरों को** बढ़ावा देने और भोपाल में **ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (GIS) 2025 में जापानी निवेशकों को आमंत्रित करने के लिये जापान की चार दिवसीय यात्रा (28-31 जनवरी 2025)** पर हैं।

मुख्य बिंदु

- **जापान के विदेश उप मंत्री के साथ बैठक:**
  - **भारत-जापान संबंधों को सशक्त करने** और राज्य स्तर पर सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की गई।
- **A&D मेडिकल्स के निदेशक के साथ चर्चा:**
  - मध्य प्रदेश सरकार ने **उज्जैन के मेडिकल और फार्मास्युटिकल पार्क** में **रियायती दरों पर 75 एकड़ जमीन की पेशकश की।**
  - **A&D मेडिकल्स** 2025 में मध्य प्रदेश में **विनिर्माण सुविधा** स्थापित करने में रुचि रखता है।

- **पूर्वी जापान रेलवे कंपनी के अध्यक्ष के साथ बैठक:**
  - **जापान और मध्य प्रदेश** के बीच आर्थिक सहयोग पर चर्चा की गई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- इसमें जापान में भारतीय राजदूत **सिबी जॉर्ज भी शामिल हुए।**

- **टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ बातचीत:**
  - मुख्यमंत्री ने **मध्य प्रदेश को** टोयोटा के लिये **निवेश स्थल** के रूप में पेश किया।
- **वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन (GIS) 2025:**
  - 24-25 फरवरी, 2025 को **भोपाल में होगा।**
  - **उद्घाटन: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** द्वारा

IIT इंदौर ने एग्रीहब का उद्घाटन किया

चर्चा में क्यों ?

27 जनवरी, 2025 को, **IIT इंदौर ने एग्रीहब** लॉन्च किया गया, जो एक अत्याधुनिक **उत्कृष्टता केंद्र (CoE) है,** जो **भारत** में कृषि के सामने आने वाली महत्त्वपूर्ण चुनौतियों से निपटने के लिये आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), मशीन लर्निंग (ML) और डीप लर्निंग (DL) के उपयोग पर केंद्रित है।

मुख्य बिंदु

- **एग्रीहब का मिशन और विज़न:**
  - **एग्रीहब का लक्ष्य शोधकर्त्ताओं, किसानों, प्रजनकों** और **नीति निर्माताओं** के लिये एक सहयोगी मंच बनना है।
  - इस पहल का उद्देश्य **सतत् कृषि** के लिये **AI, ML और DL पर ध्यान केंद्रित करते हुए अंतर-विषयक अनुसंधान** और नवाचार को बढ़ावा देना है।
  - **इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)** तथा **मध्य प्रदेश सरकार** ने कृषि उत्पादकता और स्थिरता को बढ़ावा देने में एग्रीहब की क्षमता को पहचानते हुए इसके प्रति प्रबल समर्थन व्यक्त किया है।
- **महत्त्व:**
  - **स्टार्टअप इनक्यूबेशन:** एग्रीहब कृषि प्रौद्योगिकी क्षेत्र में स्टार्टअप के विकास का समर्थन करेगा।
  - **रोज़गार सृजन:** इससे सतत् खेती से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर उत्पन्न होंगे।
  - **पेटेंट और प्रकाशन:** अनुसंधान परिणामों में नवाचार, पेटेंट और वैज्ञानिक प्रकाशन शामिल होंगे जो कृषि प्रौद्योगिकियों के विकास में योगदान देंगे।
  - **उद्योग सहयोग:** एग्रीहब का लक्ष्य अपने अनुसंधान के व्यावहारिक अनुप्रयोगों के निर्माण के लिये उद्योगों के साथ साझेदारी करना है।
  - **उद्यमिता कार्यशालाएँ:** छात्रों और उभरते पेशेवरों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने के कार्यक्रमों पर मुख्य ध्यान दिया जाएगा।
  - **तकनीकी प्रगति:** एग्रीहब **कम कृषि उत्पादकता और जलवायु परिवर्तन** (सूखा, बाढ़) के प्रभाव जैसी चुनौतियों का समाधान करने के लिये **AI, उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग** और **बड़े डेटा का उपयोग करेगा।**
    - भौगोलिक सूचना प्रणाली (GIS), ड्रोन प्रौद्योगिकी और **सटीक खेती के** एकीकरण से संसाधनों के उपयोग को अनुकूलित करने, फसलों की निगरानी करने और किसानों को डेटा-संचालित समाधान प्रदान करने में सहायता मिलेगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

कान्हा टाइगर रिज़र्व

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश के मंडला जिले के कान्हा टाइगर रिज़र्व में एक बाघिन मृत पाई गई।

मुख्य बिंदु

- **शव की खोज:**
  - **वन अधिकारियों को कान्हा टाइगर रिज़र्व** के **परसनटोला बीट** स्थित **मुक्की वन परिक्षेत्र** में दो वर्षीय बाघिन का शव मिला।
  - राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) के दिशा-निर्देशों और मध्य प्रदेश के मुख्य वन्यजीव संरक्षक के निर्देशों के बाद अधिकारियों ने स्थल को सुरक्षित कर लिया और जाँच शुरू कर दी।
- **शवपरीक्षा (पोस्ट-मार्टम):**
  - विशेषज्ञ वन्यजीव चिकित्सकों की एक टीम ने पोस्ट-मार्टम किया।
  - अधिकारियों ने पुष्टि की कि शरीर के सभी अंग सुरक्षित हैं तथा उन्होंने **शिकार** को **मृत्यु का कारण** मानने से **मना कर दिया।**
  - उन्हें संदेह है कि बाघिन की मौत **किसी अन्य बाघ के साथ क्षेत्र संघर्ष में हुई।**
- **कान्हा टाइगर रिज़र्व:**
  - **यह मध्य प्रदेश के दो ज़िलों- मंडला और बालाघाट-** में 940 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विस्तृत है।
  - वर्तमान कान्हा क्षेत्र को **दो अभयारण्यों, हालोन और बंजार में विभाजित किया गया था। वर्ष 1955 में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान बनाया गया** और **1973 में** इसे कान्हा टाइगर रिज़र्व बना दिया गया।
    - कान्हा राष्ट्रीय उद्यान **मध्य भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है।**

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण

- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (National Tiger Conservation Authority- NTCA) **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के** तहत एक **वैधानिक निकाय है।**
- इसकी स्थापना **वर्ष 2005 में** टाइगर टास्क फोर्स की सिफारिशों के बाद की गई थी।
- **इसका गठन वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972** (जैसा कि 2006 में संशोधित किया गया) के प्रावधानों के तहत किया गया था, ताकि इसे निर्दिष्ट की गई शक्तियों और कार्यों के अनुसार बाघ संरक्षण को सशक्त किया जा सके।

मध्य प्रदेश: आईटी निवेश का नया केंद्र

चर्चा में क्यों ?

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के अनुसार राज्य अब IT, ITES (Information Technology Enabled Services) और ESDM (Electronics System Design and Manufacturing) क्षेत्रों में एक प्रमुख निवेश केंद्र के रूप में उभर रहा है।

मुख्य बिंदु

- **आकर्षक केंद्र:** राज्य सरकार की IT और ESDM नीति, डाटा सेंटर पार्क, IT पार्क्स और स्टार्ट-अप्स के विकास ने मध्यप्रदेश को तकनीकी निवेश के लिये आकर्षक केंद्र बना दिया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- मध्यप्रदेश डिजिटल इंडिया **मिशन के तहत** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, बिग डेटा, ब्लॉकचेन और साइबर सिक्योरिटी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाने में अग्रणी है।
- **प्रमुख शहर:** इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर जैसे शहर अब आईटी कंपनियों के नए केंद्र बन चुके हैं।
- 24-25 फरवरी 2025 को भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जाएगा जिसमें आईटी और टेक्नोलॉजी निवेशकों को प्रदेश की व्यापक संभावनाओं से परिचित होने का उत्कृष्ट अवसर मिलने की संभावना है।

ITES

- ITES का पूरा नाम "**Information Technology Enabled Services**" (**सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाएँ**) है, जो व्यवसायों और संगठनों को विभिन्न सेवाएँ प्रदान करने के लिये सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग को संदर्भित करता है। इसमें डाटा प्रोसेसिंग, ग्राहक सहायता, तकनीकी सहायता और परामर्श जैसी सेवाएँ शामिल हैं।
- ITES के कुछ सामान्य उदाहरणों में शामिल हैं:
  - KPO (नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग)
  - BPO (बिज़नेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग)
  - LPO (लीगल प्रोसेस आउटसोर्सिंग)
  - GPO (गेम प्रोसेस आउटसोर्सिंग)
  - EDI (इलेक्ट्रॉनिक डाटा इंटरचेंज)

ESDM

- ESDM का पूरा नाम **इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिज़ाइन और मैन्युफैक्चरिंग है**। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और सिस्टम के डिज़ाइन, विकास और निर्माण के सभी पहलुओं को कवर किया जाता है।

माधव राष्ट्रीय उद्यान

चर्चा में क्यों ?

माधव राष्ट्रीय उद्यान मध्य प्रदेश का 9वाँ टाइगर रिज़र्व घोषित किया गया है, जिससे चंबल अंचल में वन्यजीवों की समृद्धि बढ़ेगी।

मुख्य बिंदु

- **बाघों के संरक्षण की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम:**
  - **विस्तार:** माधव टाइगर रिज़र्व पाँच वर्षों के भीतर **1,600 वर्ग किलोमीटर** क्षेत्र में विस्तार करने की दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है।
  - **100 हेक्टेयर क्षेत्र** में फैले बाघ सफारी की भी योजना बनाई गई है, जिसमें 20 करोड़ रुपए का बुनियादी ढाँचा निवेश होगा, जिससे पारिस्थितिकी पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने की आशा है।
  - वर्तमान में प्रदेश **में 8 प्रमुख टाइगर रिज़र्व** (कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, पन्ना, सतपुड़ा, संजय दुबरी, रातापानी और नौरादेही टाइगर रिज़र्व) हैं। अब माधव नेशनल पार्क के टाइगर रिज़र्व बनने से यह संख्या **बढ़कर 9 हो** जाएगी, जो प्रदेश में बाघों की बढ़ती संख्या और संरक्षण की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।
  - इससे पहले सरकार ने रातापानी को **आठवाँ टाइगर रिज़र्व** घोषित किया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- ज्ञातव्य है कि हाल ही में कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता वीरा ने दो शावकों को जन्म दिया है।
- भारत में बाघों की सबसे ज़्यादा संख्या मध्य प्रदेश में **(वर्ष 2022 की जनगणना के अनुसार 785) है।**

माधव राष्ट्रीय उद्यान

- **परिचय:**
- माधव राष्ट्रीय उद्यान मध्य प्रदेश के शिवपुरी ज़िले में स्थित ऊपरी **विंध्य पहाड़ियों का एक हिस्सा है।**
- यह पार्क मुगल बादशाहों और ग्वालियर के महाराजाओं का शिकारगाह था। इसे वर्ष 1959 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा मिला।
  - **पारिस्थितिकी तंत्र:** यह क्षेत्र विविध पारिस्थितिकी तंत्र से परिपूर्ण है, जिसमें झीलें, शुष्क पर्णपाती वन और काँटेदार वन शामिल हैं। यहाँ बाघ, तेंदुआ, नीलगाय, चिंकारा, चौसिंघा और विभिन्न प्रकार के हिरणों का आवास है।
  - **बाघ गलियारा:**
- यह पार्क देश के **32 प्रमुख बाघ गलियारों में से एक के अंतर्गत आता है, जो बाघ संरक्षण योजना के माध्यम से संचालित होते हैं।** बाघ संरक्षण योजना **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत कार्यान्वित की जाती है।**

वैश्विक यूनाइटेड कॉन्शियसनेस कॉन्क्लेव

चर्चा में क्यों ?

पवित्र नगरी उज्जैन में 14 से 16 फरवरी 2025 तक तीन दिवसीय वैश्विक यूनाइटेड कॉन्शियसनेस कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे 20 से अधिक देशों के विचारक, विद्वान, आध्यात्मिक नेता और योगाचार्य शामिल होंगे।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:** इस कॉन्क्लेव का **उद्देश्य देश और दुनिया में शांति की संस्कृति स्थापित करना** है। इसमें **एकता की भावना, कल्याण, सेवा, आध्यात्मिकता और योग, पारिस्थिति, शिक्षा और** लोकतंत्र, समावेश और भागीदारी तथा **स्थायी अर्थव्यवस्था** जैसे विषय शामिल हैं।
- **आयोजन:** यह आयोजन **कालिदास अकादमी** में **यूनाइटेड कॉन्शियसनेस, योगा विद्या-जर्मनी, यूरोपियन योगा फेडरेशन एवं अक्षरा किड्स अकादमी-उज्जैन** द्वारा आयोजित किया जा रहा है।
  - इसमें सहयोगी संस्थाओं में **महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ,** संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश **शासन, कालीदास संस्कृत अकादमी एवं विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन** शामिल है।
- **यह कार्यक्रम G20 के "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" मिशन के अनुरूप है और इसका उद्देश्य शांति, तनाव मुक्ति और रिश्तों को बेहतर बनाना है।**
- **प्रमुख विषय:** इस कॉन्क्लेव के **प्रमुख विषय है:**
  - एकता की भावना के माध्यम से शांति की संस्कृति
  - कल्याण के माध्यम से शांति की संस्कृति
  - सेवा की भावना के माध्यम से शांति की संस्कृति
  - आध्यात्मिकता और योग के माध्यम से शांति की संस्कृति

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- पारिस्थिति की के माध्यम से शांति की संस्कृति
- शिक्षा और लोकतंत्र के माध्यम से शांति की संस्कृति
- समावेश और भागीदारी के माध्यम से शांति की संस्कृति
- स्थायी अर्थव्यवस्था के माध्यम से शांति की संस्कृति

यूनाइटेड कॉन्शियसनेस

- यूनाइटेड कॉन्शियसनेस, **प्रोजेक्ट सेल्फ इंक**. की एक वैश्विक पहल है, जो अमेरिका और भारत में पंजीकृत एक **गैर-लाभकारी संगठन है**।
- इसका उद्देश्य पूरे विश्व में सार्वभौमिक शांति, आध्यात्मिक ज्ञान, एकता की भावना और खुशी को बढ़ावा देना है।
- यह एक चेतना, एक अस्तित्व की शक्ति में विश्वास करता है।

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में राज्यपाल ने **अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा** के कुलगुरू के पद पर **डॉ. राजेंद्र कुमार कुड़रिया** को नियुक्त किया।

मुख्य बिंदु

- **राजेंद्र कुमार कुड़रिया:** शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, **जबलपुर** के **भौतिक शास्त्र** के प्राध्यापक हैं। उनका कार्यकाल, पद धारण करने की तिथि **से 4 वर्ष अथवा 70 वर्ष की** आयु जो भी पहले हो, के लिये रहेगा।
- **अवधेश प्रताप सिंहविश्वविद्यालय:** इसका नाम **स्वतंत्रता सेनानी कैप्टन अवधेश प्रताप सिंह** के नाम पर रखा गया है।
  - विश्वविद्यालय की **स्थापना 20 जुलाई, 1968** को रीवा में हुई थी और इसे फरवरी **1972 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC)** से मान्यता मिली थी।
- **कैप्टन अवधेश प्रताप सिंह:** भारत के एक **राजनेता एवं भारतीय स्वतंत्रता सेनानी** थे। स्वतंत्रता के बाद वर्ष 1948 में **विंध्य प्रदेश** **की स्थापना पर, उन्होंने (1948 से 1949 तक) पहले मुख्यमंत्री** के रूप में नेतृत्व किया और बाद में वह **संविधान सभा** के सदस्य मनोनीत किये गए।

रीवा ज़िला

- उत्तर प्रदेश सीमा (इलाहाबाद) से सटा यह ज़िला मध्य प्रदेश के **विंध्य पठार** के एक हिस्से में बसा हुआ है और **टोंस** एवं उसकी सहायक नदियों द्वारा सिंचित है।
- रीवा मूल रूप से **गोंड,कोल आदिवासियों** का निवास स्थान रहा है।
- रीवा ज़िले में **बघेली एक प्रमुख भाषा** है।
- **पुरवा जलप्रपात** रीवा जिले में प्रवाहित टोंस या तमस नदी पर स्थित एक 70 मीटर ऊँचा झरना है और इसकी सहायक नदी **(बीहड़ नदी)** पर **चचाई जलप्रपात** स्थित है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

लाड़ली बहना योजना

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश में **लाड़ली बहना योजना** के तहत मासिक सहायता राशि को वर्तमान 1250 रुपए से बढ़ाकर 3000 रुपए किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

योजना के बारे में:

- **उद्देश्य:** लाड़ली बहना योजना का **मुख्य उद्देश्य** मध्यप्रदेश की **महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना** है।
  - लाड़ली बहना योजना के तहत अब तक 1.27 करोड़ महिला लाभार्थियों के खातों में 1553 करोड़ रुपए ट्रांसफर किये जा चुके हैं।
- राज्य सरकार द्वारा राशि **को 3000 रुपए प्रति माह करने से अब और** अधिक महिलाएँ इसका लाभ उठा सकेंगी और अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार कर सकेंगी।
- **शुरुआत:** इस योजना को मई 2023 में राज्य सरकार द्वारा शुरू किया गया था और इसके तहत 21 से 60 वर्ष की विवाहित महिलाओं को शुरू **में 1000 रुपए की सहायता दी जाती थी**। जिसे बाद में बढाकर 1250 रुपए प्रति माह कर दिया गया।
- **पात्रता और नियम:**
  - महिला के परिवार की वार्षिक **आय 2.5 लाख रुपए से कम हो।**
  - परिवार में कोई भी सदस्य **सरकारी नौकरी नहीं** करता हो।
  - इसके अतिरिक्त, परिवार के पास **5 एकड़ से ज्यादा भूमि या ट्रैक्टर, चारपहिया वाहन न हो।**

मध्यप्रदेश में पहली बार सफल हृदय प्रत्यारोपण

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के AIIMS में पहली बार सफल हृदय प्रत्यारोपण किया गया है।

- मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि पर डॉक्टरों को बधाई दी और राज्य में अंगदान को बढ़ावा देने के लिये कई महत्त्वपूर्ण घोषणाएँ कीं।

मुख्य बिंदु

- **दिनेश मालवीय को मिला नया जीवन:** यह ट्रांसप्लांट **नर्मदापुरम** निवासी **दिनेश मालवीय** के शरीर में किया गया है जिससे उन्हे नया जीवन मिल पाया।
  - दिनेश मालवीय हृदय रोग से पीड़ित थे। उनका हृदय सिर्फ 20% ही काम कर रहा था।
- **अंगदानकर्त्ता:** यह ट्रांसप्लांट सागर ज़िले के बलिराम कुशवाहा के परिवार द्वारा किये गए अंगदान के परिणामस्वरूप संभव हुआ। हृदय को **पीएम श्री एयर एंबुलेंस सेवा** के माध्यम से AIIMS भोपाल लाया गया था और वहाँ इसे ट्रांसप्लांट किया गया।
- **तत्परता और कर्तव्यनिष्ठा का प्रमाण:** यह **स्वास्थ्य विभाग**, **नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर और एम्स भोपाल** के चिकित्सीय स्टॉफ की तत्परता और कर्तव्यनिष्ठा का प्रमाण है।
  - एम्स भोपाल के डॉक्टरों की एक टीम रातों-रात जबलपुर पहुँची और अंग रिट्रीवल की प्रक्रिया को अंजाम दिया।
  - इस पूरी प्रक्रिया में **जबलपुर, भोपाल और इंदौर में तीन ग्रीन कॉरिडोर बनाए** गए। पुलिस और चिकित्सा विभाग ने बेहतरीन समन्वय से अंगों का समय पर परिवहन सुनिश्चित हुआ।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- ब्रेन डेड मरीज़ का हृदय ग्रीन कॉरिडोर और **एयर एम्बुलेंस के माध्यम से जबलपुर से भोपाल लाया** गया।

- **राज्य स्तरीय संस्थान की होगी स्थापना:** मुख्यमंत्री ने घोषणा की, कि राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजो में ट्रांसप्लांट की सुविधा बढ़ाई जाएगी और **राज्य स्तरीय संस्थान की स्थापना** की जाएगी।
  - इससे मेडिकल छात्रों को सीखने की सुविधा मिल सकेगी, साथ ही **अंग प्रत्यारोपण और देहदान** को लेकर जागरुकता को बढ़ावा दिया जाएगा।
- **अंगदानकर्त्ता को राजकीय सम्मान:** प्रदेश सरकार अंगदान को बढ़ावा देने के कई प्रयास कर रही है-
  - जो लोग देहदान करेंगे, उनके परिवार के लोगों का **आयुष्मान कार्ड** बनाया जाएगा।
  - अंगदान करने वाले का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा और **राष्ट्रीय पर्वों** पर सम्मानित किया जाएगा।

पीएम श्री एयर एंबुलेंस सेवा

- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने **फरवरी 2024 में प्रदेश की पहली** इमरजेंसी एयर एंबुलेंस सेवा का शुभारंभ किया था।
- मुख्यमंत्री ने इस सेवा की शुरुआत करते हुए इसका नाम "मुख्यमंत्री एयर एंबुलेंस सेवा" से "**पीएम श्री एयर एंबुलेंस सेवा**" कर दिया।
- मध्य प्रदेश **यह सेवा देने वाला देश का पहला राज्य बन गया** है। **पवनहंस के साथ** मिलकर यह सेवाएँ दी जा रही हैं।
- यह सेवा सड़कों व औद्योगिक स्थलों में होने वाले हादसों, प्राकृतिक आपदा में गंभीर पीड़ित घायल व्यक्ति को त्वरित उपचार के लिये हवाई परिवहन सुविधा उपलब्ध कराती है।
- यह सेवा सभी जिलों में लागू है और कोई भी व्यक्ति इसका लाभ ले सकता है।

जागरुकता अभियान का आयोजन

चर्चा में क्यों ?

बेटी बचाओ बेटी पढाओं' अभियान के 10 वर्ष पूरे होने पर बैतूल के शासकीय बालिका छात्रावास में जागरुकता अभियान का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:** इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेटियों को शिक्षा के प्रति जागरूक करना और समाज में उनके अधिकारों को लेकर सकारात्मक सोच विकसित करना था।
  - इस अभियान के दौरान, बालिकाओं को **पॉक्सो एक्ट**, **चाइल्ड हेल्पलाइन (1098), वन स्टॉप सेंटर** की सेवाओं और **माहवारी स्वच्छता प्रबंधन** पर जानकारी दी गई।
- **POCSO एक्ट** 14 नवंबर, 2012 को लागू हुआ, जो वर्ष **1992 में बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन** के भारत के अनुसमर्थन के परिणामस्वरूप अधिनियमित किया गया था।
  - इसका उद्देश्य **बच्चों के यौन शोषण और यौन उत्पीड़न के अपराधों** को रोकना है।
  - यह अधिनियम **18 वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति को बच्चे के रूप में** परिभाषित करता है। और अपराध की गंभीरता के आधार पर सज़ा का प्रावधान करता है। वर्ष 2019 में इस कानून की समीक्षा कर इसमें संशोधन किया गया, जिसमें बच्चों के यौन शोषण के मामलों में मृत्युदंड जैसे कठोर दंड का प्रावधान किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- भारत सरकार ने **POCSO नियम, 2020** को भी अधिसूचित कर दिया है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ:

- **परिचय:** 22 जनवरी 2025 को **बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (BBBP) योजना के शुभारंभ के 10 वर्ष पुरे हो गए हैं।**
  - इसे **22 जनवरी 2015** में लिंग चयनात्मक गर्भपात (Sex Selective Abortion) और गिरते बाल लिंग अनुपात (Declining Child Sex Ratio) को संबोधित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था, जो 2011 में प्रति 1,000 लड़कों पर 918 लड़कियाँ था।
  - **यह महिला और** बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय **की एक संयुक्त पहल** है।
- **मुख्य उद्देश्य:**
  - लिंग आधारित चयन पर रोकथाम।
  - बालिकाओं के अस्तित्व और सुरक्षा को सुनिश्चित करना।
  - बालिकाओं के लिये शिक्षा की उचित व्यवस्था तथा उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना।
  - बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा करना।

मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल ने 10 से अधिक नीतियों को दी मंजूरी

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल ने 11 फरवरी, 2025 को भोपाल में आयोजित कैबिनेट बैठक में विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों से संबंधित 10 से अधिक नीतियों को मंजूरी दी।

मुख्य बिंदु

- **प्रमुख नीतियाँ:** राज्य सरकार नए **ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट** (GIS) के आयोजन से पहले प्रदेश में निवेश लाने और रोज़गार के अवसर बढ़ाने के लिये कई नीतियों को स्वीकृति दी है।
- कैबिनेट ने प्रदेश को विकसित एवं समृद्ध बनाने के लिये **औद्योगिक संवर्धन नीति-2025** की स्वीकृति दी। इसके अंतर्गत 10 सेक्टर विशिष्ट नीतियाँ स्वीकृत की गई हैं:
  - कृषि, डेयरी और खाद्य प्रसंस्करण नीति
  - टेक्सटाइल नीति
  - परिधान, फुटवियर, खिलौने और सहायक उपकरण नीति
  - एयरोस्पेस और रक्षा उत्पादन प्रोत्साहन नीति
  - फार्मास्यूटिकल्स नीति
  - बायोटेक्नोलॉजी नीति
  - मेडिकल डिवाइस नीति
  - ईवी विनिर्माण नीति

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- नवकरणीय ऊर्जा उपकरण विनिर्माण नीति
- हाई वेल्यू-एड विनिर्माता नीति

- औद्योगिक संवर्धन नीति-2025 के उद्देश्य:
  - मध्य प्रदेश में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना।
  - **उद्योगों के योगदान को राज्य के जीडीपी में** वित्तीय वर्ष 2023-24 में 2.9 लाख करोड़ रुपए से बढ़ाकर **2030 तक लगभग 6 लाख करोड़** रुपए करना।
  - निवेशकों को आकर्षित करने के लिये एक मजबूत औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना।
  - पर्यावरण की दृष्टि से सतत औद्योगिक विकास और संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना।
  - रोजगार-प्रधान क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अगले पांच वर्षों में **20 लाख नवीन रोज़गार के अवसर सृजित करना।**
  - निवेशक सुविधा में सुधार करना और राज्य में व्यापार करने की प्रक्रिया को सरल बनाना।
- **निवेश-आधारित प्रोत्साहन:**
  - **50 से 150 करोड़ रुपए तक निवेश करने वाले उद्योगों को 40% तक प्रोत्साहन मिलेगा।**
  - **200 करोड़ रुपए तक के निवेश पर अतिरिक्त रियायतों के साथ 32% प्रोत्साहन मिलेगा।**
- **बिजली पर छूट:**
  - **निवेशकों को बिजली पर विशेष छूट का लाभ मिलेगा।**
- **प्रबंधन और बुनियादी ढांचे के लिये वित्तीय सहायता:**
  - **प्रबंधन सहायता के लिये 10 करोड़ रुपए दिए जाएंगे।**
  - **बुनियादी ढाँचे के विकास के लिये 5 करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे।**

मध्य प्रदेश: GCC नीति 2025

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश ने देश की पहली समर्पित वैश्विक क्षमता केंद्र (GCC) नीति शुरू की है, जिसका उद्देश्य राज्य को **वैश्विक नवाचार और सहयोग के लिये एक अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित करना है।**

मुख्य बिंदु

- **मध्य प्रदेश GCC नीति 2025**
  - मध्य प्रदेश GCC नीति 2025 में **पूंजीगत व्यय, वेतन, कौशल उन्नयन और अनुसंधान एवं विकास के लिये प्रोत्साहनों को एकीकृत किया गया है।**
  - एक समर्पित नोडल एजेंसी, **मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड (MPSeDC)**, नीति कार्यान्वयन की देखरेख करेगी।
- **लक्ष्यित क्षेत्र और रणनीतिक फोकस:**
  - यह नीति IT, वित्त, इंजीनियरिंग, मानव संसाधन और उभरती प्रौद्योगिकियों सहित प्रमुख क्षेत्रों को लक्षित करती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- डिजिटल परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिये **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** और **साइबर सुरक्षा** पर विशेष ज़ोर दिया गया है।

- **व्यवसाय केंद्रों का विकेंद्रीकरण:**
  - यह टियर-2 शहरों में **GCC विकास को बढ़ावा देने के लिये भारत का पहला समर्पित ढाँचा है।**
  - इस पहल का उद्देश्य **पारंपरिक मेट्रो शहरों से परे व्यापार केंद्रों को स्थानांतरित करना** तथा क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।
  - इस नीति का **उद्देश्य 50 से अधिक GCC को आकर्षित करना** तथा 37,000 से अधिक **प्रत्यक्ष नौकरियाँ सृजित करना है।**
  - इसका उद्देश्य **मध्य प्रदेश को IT/ITeS, उन्नत विश्लेषण, अनुसंधान एवं विकास तथा डिजिटल परिवर्तन के लिये उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित करना है।**
- **विदेशी निवेश और औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र:**
  - यह नीति विभिन्न उद्योगों में **विदेशी निवेश और बुनियादी ढाँचे के विकास को सुविधाजनक बनाती है।**
  - इस नीति का अनावरण भोपाल में द्विवार्षिक **वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन** से पहले किया गया।
- **आधारभूत संरचना:**
  - मध्य प्रदेश में **पाँच विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ),** 15 से अधिक IT पार्क और 150 से अधिक इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण (ESDM) इकाइयाँ हैं।
  - प्रमुख IT केंद्रों में इंदौर, भोपाल और जबलपुर शामिल हैं, जहाँ **नॉलेज सिटी** और **इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर 2.0** जैसी परियोजनाएँ भी प्रस्तावित हैं।
  - **ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग (2023) में चौथे स्थान पर,** मध्य प्रदेश सुव्यवस्थित नियामक प्रक्रियाओं और **निवेशक-अनुकूल नीतियों को सुनिश्चित करता है।**
- **नीति कार्यान्वयन और शासन:**
  - MPSeDC नीति क्रियान्वयन के लिये **नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है।**
  - एक समर्पित **नीति कार्यान्वयन इकाई (PIU)** परियोजना अनुमोदन, प्रोत्साहन आवंटन और अनुपालन निगरानी का प्रबंधन करेगी।
  - नवाचार को बढ़ावा देने और वैश्विक तकनीकी केंद्रों को आकर्षित करने के माध्यम से, मध्य प्रदेश **2030 तक 110 बिलियन अमेरिकी डॉलर के GCC बाज़ार के भारत के दृष्टिकोण में योगदान देता है।**

वैश्विक क्षमता केंद्र (GCC)

- **परिचय:**
  - वैश्विक क्षमता केंद्र (GCC), जिन्हें वैश्विक इन-हाउस केंद्र (GIC) के रूप में भी जाना जाता है, विश्वभर के देशों में **बहुराष्ट्रीय निगमों (MNC)** द्वारा स्थापित रणनीतिक चौकियाँ हैं।
  - वैश्विक कॉर्पोरेट ढाँचे के भीतर आंतरिक संस्थाओं के रूप में कार्य करते हुए, ये केंद्र IT सेवाएँ, अनुसंधान और विकास, ग्राहक सहायता और विभिन्न अन्य व्यावसायिक कार्यों **सहित विशिष्ट क्षमताएँ प्रदान करते हैं।**
- **GCC के उदाहरण:**
  - जनरल इलेक्ट्रिक (GI) का बेंगलुरु में एक बड़ा GCC है, जो विमानन और स्वास्थ्य सेवा व्यवसायों के लिये अनुसंधान एवं विकास तथा इंजीनियरिंग पर केंद्रित है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **नेस्ले ने स्विट्ज़रलैंड के लुसान** में एक GCC की स्थापना की है, जो इसके खाद्य और पेय ब्रांडों के लिये उत्पाद विकास और नवाचार के लिये समर्पित है।

कूनो नेशनल पार्क में चीता मित्र सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

18 फरवरी 2025 को कूनो नेशनल पार्क श्योपुर **में चीता मित्र सम्मेलन** का आयोजन किया गया, जिसमें 100 **चीता मित्र** शामिल हुए।

मुख्य बिंदु

- **सम्मलेन के बारे में:**
  - यह सम्मेलन कूनो नेशनल पार्क में दक्षिण अफ्रीका **से लाए गए चीते के पुनर्वास के दो सफल वर्षों** की पूर्णता पर आयोजित किया गया।
  - चीता मित्रों द्वारा परियोजना से जुड़े अपने अनुभव और सुझाव साझा किये गए, जो इस परियोजना को भविष्य में बेहतर बनाने में सहायक हो सकते हैं।
  - चीता परियोजना की विस्तृत जानकारी दी गई और परियोजना के तहत किए गए कार्यों का प्रत्यक्ष अनुभव साझा किया गया।
- **उद्देश्य:**
  - इस सम्मेलन का उद्देश्य परियोजना के तहत किए गए कार्यों का विश्लेषण करना था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- इसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया कि सभी पहलुओं पर विचार किया जाए और चीता परियोजना की सफलता में योगदान दिया जाए।

कूनो राष्ट्रीय उद्यान (NP)

- कूनो राष्ट्रीय उद्यान (NP) (श्योपुर, मध्य प्रदेश) को **वर्ष 1981 में एक वन्यजीव अभयारण्य** के रूप में स्थापित किया गया था और **वर्ष 2018** में इसे **राष्ट्रीय उद्यान** घोषित किया गया।
  - **भूगोल:** इसमें मुख्य रूप से **शुष्क पर्णपाती वन हैं** और **चंबल** की एक प्रमुख **सहायक नदी कुनो नदी** उद्यान से होकर बहती है।
    - यह **विंध्य पर्वतमाला** में स्थित है।
  - **जीव-जंतु: तेंदुआ,** धारीदार लकड़बग्घा, भारतीय भेड़िया, **कृष्णमृग,** सांभर हिरण, **घड़ियाल (कुनो नदी)।**
    - इसका चयन भारत में **चीता के आगमन हेतु कार्य योजना** के अंतर्गत किया गया था।
  - **वनस्पति: प्राथमिक वृक्ष प्रजातियाँ करधई, खैर** और **सलाई** हैं।

इंडियन बॉयसन (गौर) का पुनर्विस्थापन

चर्चा में क्यों ?

वन विभाग एवं **भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून** द्वारा 50 **बॉयसन (गौर)** का पुनर्विस्थापन किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **पुनर्विस्थापन के बारे में:**
  - पुनर्विस्थापन का कार्य दो चरणों में किया जाएगा। यह पुनर्विस्थापन **सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व से बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व में** 20 से 24 फरवरी तक किया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- पुनर्विस्थापन (Reintroduction) का अर्थ है किसी प्रजाति को उसके प्राकृतिक आवास में फिर से बसाना, जहाँ वह पहले मौजूद थी।

- **पुनर्विस्थापन का उद्देश्य:**
  - बॉयसन (गौर) की संख्या में वृद्धि और अनुवांशिक सुधार करना।
  - जैवविविधता और पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाए रखना।
  - बॉयसन की संख्या बढ़ाकर उनका प्राकृतिक आवास सुधारना।
- **पुनर्विस्थापन का महत्त्व:**
  - 2011-12 में पहले भी 50 बॉयसन का पुनर्वास किया गया था, जिससे उनकी संख्या 170 से अधिक हो गई है।
  - यह कदम बॉयसन के संरक्षण की दिशा महत्त्वपूर्ण है, ताकि भविष्य में इनकी स्थिर और स्वस्थ जनसंख्या बनी रहे।
  - उनका पुनर्वास वन्यजीवों के लिये एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देगा और अन्य प्रजातियों के लिये भी लाभदायक साबित होगा।

इंडियन बॉयसन (गौर) के बारे में:

- यह भारत में पाए जाने वाले जंगली **मवेशियों की सबसे बड़ी प्रजाति है** और यह सबसे बड़ा मौजूदा बोवाइन (गोजातीय) जीव है।
- बॉयसन घासों और पौधों की वृद्धि को नियंत्रित करते हैं, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र स्वस्थ रहता है।
- दुनिया में गौर की संख्या लगभग 13,000 से 30,000 है, जिनमें से लगभग 85% भारत में मौजूद हैं।

अवस्थिति:

- यह मूलत: दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में पाया जाता है।
  - भारत में ये पश्चिमी घाट में बहुत अधिक पाए जाते हैं। मुख्य रूप से नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान, बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान, मासीनागुड़ी राष्ट्रीय उद्यान और बिलिगिरिरंगना हिल्स (बीआर हिल्स) में पाए जाते हैं।
  - ये **बर्मा और थाईलैंड में भी पाए** जाते हैं।

नक्शा कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री ने मध्य प्रदेश के रायसेन में **शहरी बस्तियों के** भूमि सर्वेक्षण **के लिये नक्शा कार्यक्रम** की शुरुआत की।

मुख्य बिंदु

- **नक्शा कार्यक्रम के बारें में**
  - डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (DILRMP) के तहत **"नक्शा" (NAKSHA - National Geospatial Knowledge-based Land Survey of Urban Habitations) कार्यक्रम** की शुरुआत की गई है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- इस पहल के अंतर्गत 152 शहरों में पायलट प्रोजेक्ट चलाया जाएगा, जिनमें मध्य प्रदेश के 9 ज़िलों के 10 नगर (शाहगंज, छनेरा, अलीराजपुर, देपालपुर, धार कोठी, मेघनगर, माखन नगर (बाबई), विदिशा, सांची, उन्हेल) भी शामिल हैं।

- **उद्देश्य**
  - इस पहल का उद्देश्य शहरी भूमि रिकॉर्ड प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन लाना और सटीक **भू-स्थानिक डाटा** पर आधारित एक व्यापक भूमि प्रबंधन प्रणाली विकसित करना है।
  - यह पहल:
  - नागरिकों को सशक्त बनाएगी और उनके **जीवन को सुगम** बनाएगी।
  - **शहरी नियोजन में सुधार** लाने में सहायक होगी।
  - **भूमि संबंधी विवादों को कम करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाएगी।
  - आईटी-आधारित संपत्ति रिकॉर्ड प्रणाली के माध्यम से पारदर्शिता, दक्षता एवं सतत् विकास को बढ़ावा देगी।

डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (DILRMP)

- **परिचय:**
  - केंद्र सरकार ने **21 अगस्त, 2008 को** देश में **भूमि अभिलेख प्रणाली के आधुनिकीकरण** के लिये **राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (NLRMP) मंज़ूरी** दी थी, जिसे वर्ष 2016 में पुन: आरंभ किया गया और इसका नाम बदलकर डिजिटल इंडिया **भू-अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (DILRMP) कर** दिया गया।
  - यह केंद्र द्वारा 100% वित्तपोषण वाली एक **केंद्रीय क्षेत्रक योजना** है।
- **उद्देश्य:**
  - अद्यतन भूमि अभिलेखों, संचालित और स्वचालित उत्परिवर्तन, पाठ्य और स्थानिक **अभिलेखों के बीच एकीकरण, राजस्व एवं पंजीकरण के बीच अंतर-संयोजन**, वर्तमान **विलेख पंजीकरण** तथा प्रकल्पित शीर्षक प्रणाली को शीर्षक गारंटी के साथ निर्णायक शीर्षक के साथ बदलने के लिये एक प्रणाली की शुरुआत करना।

गिद्धों की गणना

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश में गिद्धों की संख्या और उनकी स्थिति का आकलन करने के लिये गिद्ध गणना 17 फरवरी 2025 से प्रारंभ हुई।

मुख्य बिंदु

- **गणना के बारे में:**
  - यह गणना **दो चरणों में** की जाएगी। गिद्धों के आंकलन की गणना वर्ष में दो बार की जाती है।
  - आधिकारिक जानकारी के अनुसार **शीतकालीन गिद्ध गणना** 17, 18 एवं 19 फरवरी को की गई और **ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना** 29 अप्रैल 2025 को की जाएगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **प्रशिक्षण कार्यक्रम:**
  - 2024-25 के लिये 11 मास्टर ट्रेनरों द्वारा एक दिवसीय **प्रशिक्षण कार्यक्रम** आयोजित किया गया।
- **भागीदार:**
  - प्रशिक्षण में 900 से अधिक वन अधिकारी-कर्मचारियों, गिद्ध विशेषज्ञों और पक्षी पक्षी विशेषज्ञों ने भाग लिया।
- **उद्देश्य:**
  - गिद्धों की संख्या का आंकलन और उनकी स्थिति का अध्ययन करना।
- शीतकालीन गिद्ध गणना
  - मंदसौर ज़िले के **गांधीसागर अभयारण्य** (GSWLS) में तीन दिवसीय शीतकालीन गिद्ध गणना प्रारंभ हो गई है।
  - राज्य वन विभाग के अनुसार, राज्य में कुल 12,981 गिद्ध पाए गए।
- ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
  - **मध्य प्रदेश में गिद्धों की गणना पहली बार वर्ष 2016 में हुई थी**, जब राज्य में 6,999 गिद्ध थे।
  - इसके बाद वर्ष 2018, 2019, 2021, 2024 और 2025 में भी गणना की गई है।

गिद्धों के बारे में:

- **परिचय**
  - गिद्ध **पारिस्थितिकी तंत्र** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि वे मृत जीवों को खाते हैं।
  - ये **प्राकृतिक सफाईकर्मी (Scavenger)** के रूप में कार्य करते हैं।
  - ये मुख्य रूप से **उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों** में रहते हैं।
  - भारत, **गिद्धों की 9 प्रजातियों** जैसे ओरिएंटल व्हाइट-बैक्ड, लॉन्ग-बिल्ड, स्लेंडर-बिल्ड, हिमालयन, रेड-हेडेड, इजिप्शियन, बियर्डेड, सिनेरियस और यूरेशियन ग्रिफॉन का निवास स्थान है।
    - इन 9 प्रजातियों में से अधिकांश के विलुप्त होने का खतरा है।
- **प्रजनन और जीवन चक्र**
  - गिद्ध साल में **एक ही बार अंडे देते हैं** और यह प्रक्रिया चट्टानों या ऊँचे पेड़ों पर होती है। गिद्ध का **जीवनकाल औसतन 15 से 30 वर्ष तक** होता है।
- **संख्या में कमी**
  - इनकी संख्या में कमी का मुख्य कारण 1990 के दशक के अंत और 2000 के दशक की शुरुआत में पशुओं के उपचार में दर्द निवारक दवा **डाईक्लोफेनाक** का व्यापक उपयोग था।
    - इसके परिणामस्वरूप कुछ क्षेत्रों में आबादी में 97% से अधिक की कमी देखी गई, जिससे पारिस्थितिक संकट उत्पन्न हुआ।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

गांधीसागर वन्यजीव अभयारण्य

- गांधीसागर वन्यजीव अभयारण्य, उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश **(मंदसौर और नीमच ज़िलों)** में राजस्थान **की सीमा के पास** स्थित है।
- इसे वर्ष **1974 में वन्यजीव अभयारण्य के रूप में** अधिसूचित किया गया।
- चंबल नदी, गांधीसागर अभयारण्य से होकर बहती है और इसे दो भागों में विभाजित करती है।
- गांधीसागर अभयारण्य गिद्धों के लिये एक **महत्त्वपूर्ण प्राकृतिक आश्रय स्थल है**। यहाँ की जैवविविधता, ऊँची चट्टानें और भोजन की उपलब्धता गिद्धों के जीवन के लिये आदर्श वातावरण प्रदान करती हैं।

खजुराहो नृत्य समारोह

चर्चा में क्यों ?

20 से 26 फरवरी 2025 तक मध्य प्रदेश के छतरपुर ज़िले के खजुराहो **में 51वें खजुराहो नृत्य समारोह का** आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

खजुराहो नृत्य महोत्सव के बारे में:

- **आयोजन :**
  - इस महोत्सव का आयोजन **मध्य प्रदेश** के **संस्कृति विभाग और पर्यटन विभाग** द्वारा किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **स्थान:**
  - यह उत्सव **खजुराहो के ऐतिहासिक मंदिरों** के पृष्ठभूमि में आयोजित किया गया, जो यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है।
- **आरंभ:**
  - खजुराहो नृत्य महोत्सव की **शुरुआत वर्ष 1975 में हुई थी** और तब से लेकर अब तक इसका आयोजन मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के अंतर्गत **उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी द्वारा** किया जा रहा है।

खजुराहो मंदिर

- **परिचय:** चंदेल राजवंश द्वारा 10वीं और 11वीं शताब्दी में निर्मित ये मंदिर समूह स्थापत्य कला और मूर्ति कला का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।
  - नागर शैली में बने यहाँ के मंदिरों की संख्या अब केवल 20 ही रह गई है, जिनमें **कंदरिया महादेव का मंदिर** विशेष रूप से प्रसिद्ध है।
- **धार्मिक संबंध:** यहाँ के मंदिर दो धर्मों- **जैन और हिंदू** से संबंधित हैं।
- **विश्व धरोहर स्थल:** इन्हें वर्ष 1986 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल किया गया।

- **उत्सव का उद्देश्य:**
  - इस महोत्सव के माध्यम से विभिन्न भारतीय शास्त्रीय नृत्य रूपों जैसे भरतनाट्यम, कथक, ओडिसी, कुचिपुड़ी, मणिपुरी, मोहिनीअट्टम, कथकली, यक्षगान आदि का प्रदर्शन किया जाता है।
  - पारंपरिक नृत्य के साथ-साथ नृत्य के नए प्रयोगों और नृत्यकला के समृद्ध रूपों को प्रोत्साहन दिया जाता है।
  - इस उत्सव के माध्यम से खजुराहो के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर प्रमोट किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- महोत्सव में विभिन्न कारीगरों और हस्तशिल्प कलाकारों को एक मंच मिलता है, जिससे वे अपनी कला और शिल्प को प्रदर्शित कर सकते हैं।

- **उत्सव की प्रमुख गतिविधियाँ:**
  - **शास्त्रीय नृत्य मैराथन (रिले)**
    - **139 कलाकारों ने 24 घंटे 9 मिनट 26 सेकंड तक शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत कर** गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।
  - **भव्य शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुतियाँ:**
    - भरतनाट्यम, कथक, ओडिसी, कुचिपुड़ी, मणिपुरी, मोहिनीअट्टम, कथकली, यक्षगान आदि नृत्य रूप प्रस्तुत किये गए।
  - **हुनर मेला – हस्तशिल्प एवं कला प्रदर्शनी:**
    - मध्य प्रदेश के पारंपरिक हस्तशिल्प, चित्रकला, आभूषण और कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई गई।
  - **लाइव प्रदर्शनी:**
    - **टेराकोटा कला, बुंदेली चित्रकला, मनकों के आभूषण** और अन्य स्थानीय कलाओं की प्रदर्शनी।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (GIS) 2025

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश के **भोपाल में 24-25 फरवरी, 2025 को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (GIS) 2025** का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 30 लाख 77 हज़ार करोड़ रुपए के **समझौता ज्ञापन (MOU)** पर हस्ताक्षर हुए।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **GIS के बारे में:**
  - यह दो दिवसीय ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट **भोपाल के** राष्ट्रीय मानव संग्रहालय **में** आयोजित की गई।
  - मुख्यमंत्री ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की एक ऐतिहासिक पहल बताया।
  - **थीम:** इस वर्ष समिट की थीम थी '**अनंत संभावनाएँ**'।
  - केन्द्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री ने **वर्ष** 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने और 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य का उल्लेख किया।
- **उद्देश्य:**
  - इस समिट का उद्देश्य मध्य प्रदेश में **निवेश को आकर्षित करना और रोज़गार के अवसर बढ़ाना** है।
  - इस समिट के जरिये विज्ञान, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे कई क्षेत्रों में निवेश किया जाएगा।
- **सहभागिता और निवेश:**
  - सम्मेलन में 25,000 से अधिक रजिस्ट्रेशन हुए।
  - 60 से अधिक देशों से 100 से अधिक विदेशी प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
  - 9 देशों ने पार्टनर कंट्री के रूप में योगदान दिया, जिनमें कनाडा, जर्मनी, इटली, जापान, मोरक्को, पोलैंड, रूस, रवांडा और यूनाइटेड किंगडम शामिल थे।
  - कुल **30 लाख 77 हजार करोड़ रुपए के एमओयू साइन हुए**, जो मध्य प्रदेश में बड़े और सहायक उद्योगों की स्थापना में मदद करेंगे।
  - इससे राज्य में **रोजगार, विकास और औद्योगिक वृद्धि** को बढ़ावा मिलेगा।
- वन-टू-वन चर्चा और बीटूबी मीटिंग्स:
- सम्मेलन के दौरान 70 से अधिक प्रमुख उद्योगपतियों और संगठनों के साथ वन-टू-वन मीटिंग्स आयोजित की गईं, जिसमें कई प्रतिष्ठित कंपनियों और प्रतिनिधिमंडलों के साथ चर्चा की गई।
- 600 से अधिक बीटूजी और **5,000 से ज्यादा बीटूबी बैठकें** आयोजित की गईं।
- इस सम्मेलन में पहली बार AI आधारित बिजनेस मैचमेकिंग टूल का उपयोग किया गया, जिससे सही साझेदारों को जोड़ने में मदद मिली।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :